Batch – 2023-24

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : दिसंबर– २०२३

सत्र – १

विषय : भारतीय साहित्यशास्त्र (HC - 101)

दि.: २७/१२/२०२३ **कुल अंक : १००** **समय : प्रातः १०.०० से दो १.००**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ भारतीय साहित्यशास्त्र के आचार्यो का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

प्र. २ करुण रस की आस्वाद्यता पर प्रकाश डालिए ।

प्र. ३ 'काव्य शोभाकरान् धर्मनिलंकारान् प्रचक्षते' इस सूत्र की व्याख्या करते हुए उस पर प्रकाश डालिए ।

प्र. ४ ध्वनि सिद्धान्त के महत्त्व को अधोरेखित कीजिए ।

प्र. ५ भरत मुनी के रससूत्र की विविध आचार्यो व्दारा की गई व्याख्याओं का विवेचन कीजिए ।

प्र. ६ कुंतक पूर्व वक्रोक्ति विचार पर प्रकाश डालिए ।

प्र. ७ आचार्य क्षेमेंद्र के औचित्य विचार को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ८ संस्कृत आचार्यो का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किजिए ।

प्र. ९ साधारणीकरण का परिचय देते हुए,उस के संदर्भ में विभिन्न आचार्यो का मत प्रस्तुत कीजिए ।

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

१. वक्रोक्ति के भेद

२. रससिद्धांन्त की प्रासंगिकता

३. अलंकार और रस

४. पांचाली रीति।